माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2025

कक्षा-11वीं

विषयः- संगीत (कंठ संगीत अथवा स्वरवाद्य अथवा तालवाद्य अथवा नृत्य) (16)

परीक्षा योजना

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3:15	30	30
प्रायोगिक	30 मिनट प्रति छात्र	70	70

इस विषय में 3.15 घण्टे की अवधि का 30 अंकों का एक सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र होगा तथा 30 मिनट की अवधि की 70 अंकों की क्रियात्मक परीक्षा होगी। छात्र को कण्ठ संगीत, स्वर, वाद्य, ताल वाद्य अथवा नृत्य में से एक विषय लेना है। परीक्षार्थियों को सैद्धान्तिक एवं क्रियात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

(अ) **कण्ठ संगीत– गायन**

अथवा

(आ) **स्वर वाद्य संगीत – वादन**

सितार (65) / सरोद (66) / वायलिन (67) / दिलरूबा अथवा इसराज (68) / बांसुरी (69) / गिटार(70)

उपर्युक्त में से कोई एक वाद्य का चयन किया जा सकेगा।

अथवा

(इ) **ताल वाद्य संगीत– वादन**

वाद्य संगीत –(स)ताल वाद्य संगीत– तबला (63) / पखावज (64)

उपर्युक्त में से कोई एक वाद्य का चयन किया जा सकेगा।

अथवा

(ई) **नृत्य–कत्थक (59)**

(अ) कण्ठ संगीत–गायन

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक : 30+70=100**

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
1.	सैद्धान्तिक– सांगीतिक परिभाषाएं, राग वर्णन, जीवन परिचय।	10
	बंदिशों का शास्त्रीय ज्ञान, स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान, तालों एवं रागों को लिपिबद्ध करना।	20
2.	प्रायोगिक– विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
	हाथ से ताल लगाने का ज्ञान।	10
	सुगम संगीत गायन एवं राग पहचानना।	10

BSEP

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)	अंकभार 30
1.	**निम्न की परिभाषा** नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, राग, जाति, थाट। लय, ताल	04
2.	**रागों का विस्तृत शास्त्रीय वर्णन** (a) राग यमन (b) राग भैरव (c) राग देस (d) राग देशकार (e) राग बागेश्री	03
3.	**संगीतज्ञों का योगदान एवं जीवनियाँ–** (a) तानसेन (b) पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे (c) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर (d) पं. भीमसेन जोशी (e) किशोरी अमोनकर।	03
4.	**विविध बंदिशों का विस्तृत एवं शास्त्रीय ज्ञान** (a) सरगम गीत (b) लक्षण गीत (c) ख्याल (d) तराना (e) ध्रुपद	05
5.	**पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे की स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान**	05
6.	**पाठ्यक्रम की तालों एवं रागों की बंदिशों का स्वरलिपि लेखन।** तालें– दादरा, कहरवा, एकताल, चौताल, त्रिताल– दुगुन सहित	10

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

इकाई	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	निर्धारित रागें– यमन, भैरव, देशकार, देस व बागेश्री।	
	(a) किसी एक राग में बड़ा एवं छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।	20
	(b) किन्हीं तीन रागों में छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।	10
	(c) किसी एक राग में लक्षण गीत।	10
	(d) सभी रागों में सरगम गीत।	10
2.	ताल को हाथ से लगाते हुए ठेका एवं दुगुन– दादरा, कहरवा, एकताल, चौताल, त्रिताल।	10
3.	परीक्षक द्वारा प्रस्तुत की गई राग को पहचानना	05
4.	राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, देशभक्ति गीत, प्रार्थना एवं लोकगीत की रचनाओं का गायन।	05

(आ) स्वर वाद्य संगीत – वादन
(सितार, सरोद, वॉयलिन, दिलरूबा, बांसुरी, गिटार, इसराज)

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार 30+70=100
	(सैद्धान्तिक)	
1.	सैद्धान्तिक–परिभाषायें, सांगीतिक तथा वाद्ययंत्र का वर्णन।	09

BSER

2.	रागों का शास्त्रीय विवरण तथा स्वरलिपि पद्धति।	08
3.	संगीतज्ञों की जीवनी तथा संगीत के क्षेत्र में योगदान।	03
4.	गत को लिपिबद्ध करना व ताल का ज्ञान।	10

(क्रियात्मक)

1.	वाद्य में गत का वादन करना। (विलम्बित व द्रुत)	30
2.	शास्त्रीय तालों का ज्ञान, उपशास्त्रीय व लोकधुन।	30
3.	राग पहचान व ताल पहचान।	10

(सैद्धान्तिक)

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार 30**
1.	निम्नलिखित परिभाषाएं– नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, राग और राग की जाति, थाट, जमजमा, मींड, गमक, गत।	04
2.	पाठ्यक्रम की रागों का शास्त्रीय वर्णन। यमन, भैरव, देस, देशकार और बागेश्री।	03
3.	निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनियाँ– पं. रविशंकर, पं. निखिल बनर्जी, मसीत खॉं, पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे, उ. इनायत खां।	03
4.	पाठ्यक्रम की रागों में विलंबित गत व द्रुतगत को लिपिबद्ध करना।	05
5.	तालों का शास्त्रीय परिचय तथा उन्हें ठाह व दुगुन के साथ लिपिबद्ध करना। दादरा, कहरवा, एकताल, चौताल व त्रिताल।	05
6.	अपने वाद्ययंत्र का सचित्र वर्णन करना।	05
7.	पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे की स्वरलिपि पद्धति का लेखन	05

(आ) स्वर वाद्य संगीत– वादन क्रियात्मक

सितार/सरोद/वायलिन/दिलरूबा/बांसुरी/गिटार व इसराज

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 70**

इकाई

1.	निर्धारित रागों में– यमन, भैरव, देशकार, देस व बागेश्री	
	(अ) किसी एक राग में मसीतखानी व रजाखानी गत तोड़े एवं झाला सहित	20
	(ब) शेष चार रागों में रजाखानी गत तोड़े सहित	20
	(स) एक धुन का वादन	10
2.	शास्त्रीय तालों का परिचय– ठाह व दुगुन के साथ हाथ से ताली द्वारा तालों की पढ़न्त।	10
3.	वाद्य पर रागों की पहचान।	05
4.	तबले पर ताल पहचानना।	05

BSER

(इ) संगीत– वादन : तबला/पखावज (तालवाद्य)

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक : 30+70=100**

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
	(सैद्धान्तिक)	
1.	परिभाषा, ताल, वाद्य का अध्ययन।	20
2.	जीवन परिचय– ताल का ज्ञान	10
	प्रायोगिक (क्रियात्मक)	
3.	ताल – वादन	40
4.	पारिभाषिक शब्द, संगत।	30

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)**	**अंकभार 30**
1.	निम्न की परिभाषा कायदा, मुखड़ा, तिहाई, परन, पेशकार, लय, गत, ताल, लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन)	08
2.	ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन	**05**
3.	वाद्यों का विस्तृत अध्ययन– तबला एवं पखावज	06
4.	संगीतज्ञों की जीवनियाँ एवं पूर्ण परिचय नाना पानसे, कुदऊ सिंह, कण्ठे महाराज, उ. अल्लारक्खा खां, सामता प्रसाद (गुदई महाराज)	06
5.	पाठ्यक्रम की तालों को ठाह (बराबर) दुगुन व चौगुन में लिखना। त्रिताल, एकताल, चौताल, धमार, झपताल, सूलताल।	05

(इ) संगीत– वादन ताल वाद्य
तबला/पखावज (क्रियात्मक)

समय : आधा घण्टे **पूर्णांक : 70**

1.	त्रिताल, एकताल, चौताल अथवा धमार में से किसी एक ताल का विस्तृत वादन।	20
2.	पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन एवं चौगुन में बजाना (लय साधन व गति का अभ्यास)	20
3.	किसी ताल में निम्न पारिभाषिक शब्दों को प्रायोगिक स्पष्ट करना। कायदा, मुखड़ा, तिहाई, परन, पेशकार।	20
4.	मध्यलय में संगत का प्रदर्शन।	10

(ई) संगीत– कथक नृत्य

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 30+70=100**

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
	(सैद्धान्तिक)	
1.	शास्त्रीय परिभाषा व प्रायोगिक नृत्य का ज्ञान	13
2.	व्यक्तित्व अध्ययन	05
3.	प्रचलित शैलियों का सामान्य अध्ययन।	08

BSER

4.	ताल अध्ययन।	04
	(क्रियात्मक)	
1.	मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास	30
2.	विषय की गहनता	30
3.	अन्य शैली का ज्ञान	10

(सैद्धान्तिक)

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार 30
1.	अ. निम्न की परिभाषा– लय, ताल, आवर्त्तन, ठेका, तत्कार, आमद, सलामी ठाठ।	04
	ब. असंयुक्त हस्तमुद्राओं का ज्ञान–	04
2.	कत्थक नृत्य के घरानों का ज्ञान – जयपुर, लखनऊ	05
3.	नृत्यकारों की जीवनियां– बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, सितारा देवी, पं. सुदंरप्रसाद जी।	05
4.	विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचय– भरतनाट्यम, ओडेसी, कथक, मणिपुरी।	04
5.	लोक नृत्य का परिचय एवं राजस्थान के लोक नृत्यों का ज्ञान–घूमर, तेरातालीे, चरी।	04
6.	निर्धारित तालों की ठाह– दुगुन, चौगुन, लिपिबद्ध लिखने का अभ्यास– त्रिताल, कहरवा, दादरा, एकताल, चौताल।	04

(ई) संगीत– कथक नृत्य (क्रियात्मक) **पूर्णांक : 70**

1.	तत्कार के 5 पलटों का प्रदर्शन	10
2.	त्रिताल नृत्य प्रस्तुति– तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन, आमद, सलामी टुकड़े, साधारण तिहाई, कवित्त।	20
3.	सीखे गए बोलों की पढंत, मुद्राओं का प्रदर्शन।	20
4.	त्रिताल अथवा एकताल में लहरे का ज्ञान व तालों की प्रस्तुति।	10
5.	किसी प्रादेशिक लोक नृत्य की प्रस्तुति।	10

निर्धारित पुस्तक –

स्वर विहार कक्षा–11 – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

BSER